

سُورَةُ الْغَاشِيَةِ

Surah 88 — Al-Ghaashiya (The Overwhelming) · Meccan · 26 Ayahs · Translation: Hindi

1

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ هَلْ أَتَاكَ حَدِيثُ الْغَاشِيَةِ

भला तुमको ढाँप लेने वाली मुसीबत (क्रयामत) का हाल मालुम हुआ है

2

وَجُوهٌ ۖ يَوْمَئِذٍ خُشِعَةٌ

उस दिन बहुत से चेहरे ज़लील रूसवा होंगे

3

عَامِلَةٌ ۖ نَّاصِبَةٌ ۖ

(तौक़ व जंज़ीर से) मयक़क़त करने वाले

4

تَصْلَىٰ نَارًا حَامِيَةً ۖ

थके माँदे दहकती हुई आग में दाखिल होंगे

5

تُسْقَىٰ مِنْ عَيْنٍ ۖ ءَانِيَةٍ ۖ

उन्हें एक खौलते हुए चश्मे का पानी पिलाया जाएगा

6

لَيْسَ لَهُمْ طَعَامٌ إِلَّا مِنْ ضَرِيعٍ ۖ

खारदार झाड़ी के सिवा उनके लिए कोई खाना नहीं

7

لَا يُسْمِنُ وَلَا يُغْنِي مِنْ جُوعٍ ۖ

जो मोटाई पैदा करे न भूख में कुछ काम आएगा

8

وُجُوهُ^۱ يَوْمَئِذٍ^۲ نَّاعِمَةٌ^۳

(और) बहुत से चेहरे उस दिन तरो ताज़ा होंगे

9

لِسَعْيِهَا رَاضِيَةٌ^۱

अपनी कोशिश (के नतीजे) पर शादमान

10

فِي جَنَّةٍ عَالِيَةٍ^۱

एक आलीशान बाग़ में

11

لَّا تَسْمَعُ فِيهَا لُغِيَّةً^۱

वहाँ कोई लगो बात सुनेंगे ही नहीं

12

فِيهَا عَيْنٌ^۱ جَارِيَةٌ^۲

उसमें चश्में जारी होंगे

13

فِيهَا سُرُرٌ^۱ مَّرْفُوعَةٌ^۲

उसमें ऊँचे ऊँचे तख्त बिछे होंगे

14

وَأَكْوَابٌ^۱ مَّوْضُوعَةٌ^۲

और (उनके किनारे) गिलास रखे होंगे

15

وَنَمَارِقُ مَصْفُوفَةٌ^۱

और गाँव तकिए कतार की कतार लगे होंगे

16

وَزَرَابِيُّ مَبْنُوثَةٌ

और नफ़ीस मसनदे बिछी हुई

17

أَفَلَا يَنْظُرُونَ إِلَى الْإِبْلِ كَيْفَ خُلِقَتْ

तो क्या ये लोग ऊँट की तरह ग़ौर नहीं करते कि कैसा अजीब पैदा किया गया है

18

وَالِى السَّمَاءِ كَيْفَ رُفِعَتْ

और आसमान की तरफ कि क्या बुलन्द बनाया गया है

19

وَالِى الْجِبَالِ كَيْفَ نُصِبَتْ

और पहाड़ों की तरफ कि किस तरह खड़े किए गए हैं

20

وَالِى الْأَرْضِ كَيْفَ سُطِحَتْ

और ज़मीन की तरफ कि किस तरह बिछाई गयी है

21

فَذَكِّرْ إِنَّمَا أَنْتَ مُذَكِّرٌ؟

तो तुम नसीहत करते रहो तुम तो बस नसीहत करने वाले हो

22

لَسْتُ عَلَيْهِمْ بِمُصِيطِرٍ

तुम कुछ उन पर दरोशा तो हो नहीं

23

إِلَّا مَنْ تَوَلَّى وَكَفَرَ

हाँ जिसने मुँह फेर लिया

24

فَيُعَذِّبُهُ اللَّهُ الْعَذَابَ الْأَكْبَرَ

और न माना तो खुदा उसको बहुत बड़े अज़ाब की सज़ा देगा

25

إِنَّ إِلَيْنَا إِيَابَهُمْ

बेशक उनको हमारी तरफ़ लौट कर आना है

26

ثُمَّ إِنَّ عَلَيْنَا حِسَابَهُمْ

फिर उनका हिसाब हमारे ज़िम्मे है